सीएसआईआर - 800 परियोजना

@

सीएसआईआर - केंद्रीय विद्युतरसायन अनुसंधान संस्थान, कारैकुडी

मानवता के लिए विज्ञान

तमिलनाडु के रामनाथपुरम तथा सिवगंगा जिले के गरीब लोगों की आकांक्षाओं की

वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय समाधान द्वारा पूर्ति

<u>सीएसआईआर-800:ग्रामीणों के हितलाभ के लिए सीएसआईआर की वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय मध्यस्थता</u>

"केवल विज्ञान ही है, जो भूख एवं गरीबी सम्बंधी समस्याओं का समाधान दे सकता है"

पंडित जवाहर लाला नेहरु

- **विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की राष्ट्र के साम-आर्थिक विकास में सदैव मुख्य भूमिका रही है।**
- **सीएसआईआर ने जन सामान्य के लिए अब तक ऐसी कई प्रौद्योगिकियां विकसित की हैं, जो आज चलन में हैं।**

उदाहरण : **सोलेक्षा**

पामबन रेलवे पुल-आधुनिकीकरण

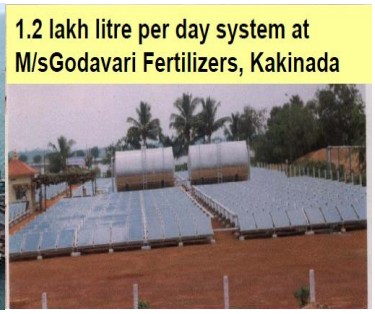

सौर हीटर

सौर विद्युत-फ्लुराइड फिल्टर

जैव-डीज़ल अनुकूल ट्रैक्टर

अपशिष्ट जल उपचार के लिए 1000 एलपीडी सिरामिक मेम्ब्रेन आधारित रिएक्टर

टेराफिल द्वारा शुद्ध-पेय जल

तटीय क्षेत्रों में अच्छी गुणवत्ता का तथा अधिक मात्रा में नमक उत्पादन

समाधान केंद्र

"सही मायनों में भारत - गांवों में बसता है, यदि हमें भारत का विकास करना है तो गांवों का विकास करना होगा।"

महात्मा गांधी

सीएसआईआर-800, एक सामाजिक कार्यक्रम, जिसके अनुसार गरीबी खत्म करने तथा गरीब को सशक्त बनाने से ही उसके जीवन तथा आय में सुधार हो सकता है।

राष्ट्रीय स्तर पर सीएसआईआर - 800 का उद्देश्य

- आर्थिक पिरामिड के निचले स्तर पर स्थित करोड़ों लोगों के जीवन एवं आय के स्तर में सुधार लाना तथा इस हेतु एक ऐसा मॉडल बनाना जो देश के बाकी हिस्सों में लागू हो सके।

सीईसीआरआई में **सीएसआईआर-800 का उद्देश्य**

- रामनाथपुरम और सिवगंगा जिलों में आर्थिक पिरामिड के निचले स्तर के कुल 40,000 रहवासियों की आय तथा उनके जीवन – स्तर में सुधार लाना तथा ऐसे मॉडल बनाना जो तमिलनाडु के अन्य भागों में भी लागू हो सकें ।

- निम्नलिखित विषय –क्षेत्रों में सामाजिक तथा आर्थिक तौर पर उपयुक्त अभिनव अनुसंधान एवं प्रौद्यौगिकी(सीएसआईआर/गैर-सीएसआईआर) के कार्यान्वयन के माध्यम से इन उद्देश्यों को प्राप्त करना :
    1. सस्ती – स्वास्थ सुविधाएं
    2. ऊर्जा क्षमता
    3. सस्ता – आवास एवं परिवहन
    4. अधिक उपयोगी कृषि
    5. सतत ऊर्जा
    6. स्वच्छ जल तथा
    7. अपशिष्ट से आमदनी

कार्य योजना :

इस परियोजना के कार्यान्वयन के प्रथम चरण में ऐसे गांवों के समूह (जिसे ' टेकविल ' अथवा प्रौद्योगिकी समर्थित गांव कहा जाएगा) की पहचान की जाएगी, जो प्रस्तावित सार्वजनिक स्थल (ग्राम कुटीर) के आस-पास होंगे, यहां से प्रौद्योगिकी के विकास के द्वारा गांवों को प्रौद्योगिकी समर्थित गांवों में परिवर्तित किया जाएगा तथा गांवों के गरीबों को सशक्त बनाया जाएगा ।

<u>कार्य पद्धति</u>

1. जिला प्रशासन के माध्यम से पिछड़े गांवों की पहचान
2. गांव की साम–आर्थिक स्थिति, संसाधनों की उपलब्धता, मूलभूत सुविधाएं आदि को समझने के लिए आधारभूत टेकविल जानकारी का संग्रह करना
3. उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए गैर सरकारी संस्थाओं, जिला प्रशासन, स्थानीय कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, सहकारी निकायों आदि गैर-सीएसआईआर प्रतिभागियों के साथ साझेदारी करना।
4. ग्रामीण क्षेत्रों की इस मूलभूत जानकारी के आधार पर सीएसआईआर की विभिन्न विषय क्षेत्रों में कार्यरत कुल 37 प्रयोगशालाओं द्वारा अब तक विकसित मानक प्रौद्योगिकियां को गांवों की मौलिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए क्रियान्वित करना तथा साथ-साथ मांग आंकलन सर्वेक्षण करना।

5. मांग आंकलन सर्वेक्षण के आधार पर विशिष्ट प्रौद्योगिकी का विकास तथा अपेक्षित प्रौद्योगिकियों का विकास अथवा आपूर्ति तथा साथ ही इन प्रौद्यगिकियों के लिए उद्यम निर्माण।

6. एनएएल, बेंगलूर में स्थित सीएसआईआर-800 कार्यक्रम के समन्वय केंद्र इसकी प्रगति का मॉनिटरन करेगा और तदोपरांत अपेक्षित सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी ।

<u>प्रगति रिपोर्ट</u> :

सीएसआईआर -800 कार्यक्रम के कार्यान्वयन हेतु रामनाथपुरम तथा सिवगंगा जिलों में सम्बद्ध जिला प्रशासन के सहयोग से कुल 35 गांवों(टेकविल समूह) की पहचान की गई है ।

सीएसआईआर -800 के अंतर्गत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकीय मध्यस्थता के लिए चयनित टेकविल की सूची			
जिला सिवगंगा	**जिला रामनाथपुरम**		
इलयांकुडी	**मण्डपम**	**कडलाडी**	**बोगलूर**
अरनमनैकरई	सेम्बडयारकुलम	कीलसेल्वनूर	बोगलूर(जीवीके)
आलविडंगन	कीलनागाच्ची	पी.कीरनताई	पोट्टितट्टी

कट्टनूर	तेरबोगी	कीलकिडारम	पांडियकनमाई
कलंगत्तानकोट्टै	कुम्बारम	एस.कीरनताई	मुत्तुवयल
पुदुकोट्टै	कारन	कडुगुसांदै	
सूरनम	इरुमेनी	पिल्लयारकुलम	
तुगवूर	सातकोन्नवलसई	अवतान्डै	
उडयनूर	कोरवल्ली	एनादी	
वंदल	मन्ननकुडी	मरन्दै	
विरयतकंडन	नूचियूरनी	मंगलम	
विश्वनूर			

गूगल अर्थ में प्रदर्शित टेकविल समूह

Google Earth Imagery showing the techvil

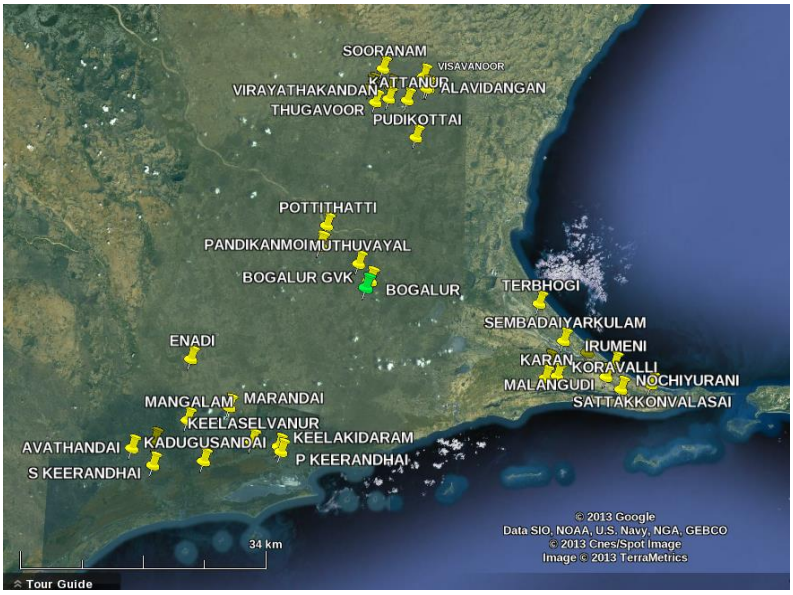

- जिला रामनाथपुरम से टेक्विल सम्बंधी आधारभूत जानकारी प्राप्त की गई ।
- रामनाथपुरम जिले के बोगलूर गांव में ग्राम विज्ञान कुटीर बनाया जाएगा, जो कि टेक्विल के गावों को सहयोग देगा । जिला प्रशासन ने नियमानुसार बोगलूर पंचायत यूनियन में ग्राम

विज्ञान कुटीर के निर्माण के लिए 0.5 एकड़ ज़मीन देने की सहमति दी है, यहां ग्रामीण उद्यमियों को उनके आर्थिक विकास के मद्देनजर प्रशिक्षण देने की व्यवस्था होगी।

- ग्राम विज्ञान कुटिर के निर्माण के लिए दक्षिण तमिलनाडु स्थित अभियांत्रिकी कॉलेजों के लिए वास्तुकला - डिज़ाइन प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है । इनमें से श्रेष्ठ डिज़ाइन को क्रियान्वयन के लिए चुना जाएगा तथा इसके क्रियान्वयन के लिए स्थानीय तौर पर उपलब्ध सामग्रियों का अधिकतम प्रयोग किया जाएगा ।
- वास्तुकला डिज़ाइन प्रतियोगिता तथा ग्राम विज्ञान कुटिर के निर्माण के लिए एनआईटी, तिरुच्चि के साथ साझेदारी के अतिरिक्त जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों जैसे कि TWAD, जिला उद्योग केंद्र, पंचायत कार्यालय, सरकार द्वारा स्वीकृत गैर-सरकारी संस्थाएं, महिला योजना आदि से संपर्क स्थापित किया गया है ।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें :

डॉ वी वी गिरिधर,
व. प्रधान वैज्ञानिक तथा परियोजना समन्वयक
सीएसआईआर – 800 परियोजना
सीएसआईआर - केंद्रीय विद्युतरसायन अनुसंधान संस्थान
कारैकुडी - 630 006, जिला : सिवगंगा, तमिलनाडु
फोन : 04565 – 241483 ई मेल : giridharvv@gmail.com/giridharv@cecri.res.in